इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya
शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
Shaheed Gundadhoor College of Agriculture & Research Station
कुम्हरावण्ड, जगदलपुर – 494005 Kumhrawand, Jagdalpur – 494005 (C.G.)
Ph. (O) - 07782 - 229150, (Fax) 229360 (R) 229343 www.naip-sgcars.com, Email - zars_igau@rediffmail.com

क्रमांक – DL- -2014

क्र. / श.गु.कृ.महा.एवं अनु.केन्द्र / 2013–14 / जगदलपुर दिनांक / 01 / 2014

बस्तर पठार कृषि जलवायु क्षेत्र के लिए कृषि सलाह सेवा बुलेटिन (3 से 10जनवरी 2014)

पिछले सप्ताह की विशिष्ठ मौसम स्थितियाँ

वर्षा मि.मी.	0
अधिकतम तापमान डिग्री. से.	28-29.2
न्युनतम तापमान डिग्री. से.	9-15
सापेक्ष आर्द्रता प्रतिशत	30-97
वायु गति कि.मी. / घंटा	1.8-5.4

पिछले सप्ताह कृषि मौसम वेधशाला ,कुम्हरावण्ड में 0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 28 से 29.2 डिग्री सेंग्रे. के बीच रहा। न्यूनतम तापमान 9 – 15 सेंग्रे. के मध्य रहा। सापेक्ष आर्द्रता 30 से 97 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई । वायु गति 1.8 से 5.4 किमी. / घंटा के मध्य रही।

कृषि मौसम सलाह :–

रबी फसलें	चना की फसल में बढ़वार न हो और भूमि सूखी हो तो हल्की सिंचाई करें (स्पींकलर)। मटर, अलसी, धनिया, सरसों में एक प्रतिशत यूरिया घोल का छिड़काव करें। सिंचाई सुविधा हो तो किसान भाई गेंहू में नमी की कमी की अवस्था में एक सिंचाई अंकुरण के 20–25 दिन बाद अवश्य करें। निंदा नियंत्रण हेतु 2–4 डी 0.8 किग्रा / हेक्टेयर की दर से छिड़काव 30–35 दिनों या आइसोप्रोटयूरन का छिड़काव बुवाई के 25–30 दिन बाद अवश्य करें। यूरिया की प्रथम मात्रा का खड़ी फसल में छिड़काव करें।
कंदीय फसलें	रतालू का आवश्यकतानुसार खुदाई कर खाने एवं बेचने हेतु उपयोग कर सकते है अगेती रोपित आलूकांदा (कसावा) की खूदाई करें एवं तना का दुसरे स्थान पर रोपित करें। अरबी की खुदाई करें तथा यदि आगामी वर्ष अरबी को बीज हेतु रखना तब उसे घर के किसी छायादार या ठण्डे स्थान में रेत के साथ भण्डारित करें। सिंचाई की सुविधा होने पर अरबी / कोंचाई की ग्रीष्मकालीन फसल की रोपाई करें। इसके लिए बीज दर 8–10 क्विंटल प्रति तथा किस्म इंदिरा अरबी–1, व्हाईट गौरिया एवं पंचमुखी उपयुक्त है।
काजू एवं फल वाले पौधें	नारियल पौधे के आस पास गुड़ाई कर उर्वरक की द्वितीय मात्रा संस्तुत अनुसार डालकर मिट्टी में मिलावें। नारियल के पौधों में ठण्ड के मौसम में Crown choking से बचाव के लिए 100 ग्राम बोरान उर्वरक के साथ देवें एवं बाग के कूड़ों को जलाकर धुआं करें। नारियल के अर्न्तवर्ती फसलों जैसे काली मिर्च की तुड़ाई करें एवं बेल (Vines) की सुखे एवं मुरझाएँ पत्तियों को साफ करें अन्य अर्न्तवर्ती फसलें जैसे अरबी, आमाहल्दी इत्यादि की फसल की सिंचाई रोक दें। गतवर्ष के रोपित नारियल पौधों की गुड़ाई कर उर्वरक की संस्तूत मात्रा डालकर नियमित सिंचाई करें यदि इसमें भी शीर्ष विकास रूका हो (Crown choking) तो 50 ग्राम बोरॉन डालें। नारियल की पत्तियों में सेविन नामक कीटनाशक का उपयोग करें। फलदार एवं अन्य बहुउद्देशीय पौधों को सुखे से बचाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधियों का उपयोग करें। काजू की पत्तियों में छेद करने वाले बीटल एवं इल्लियों का प्रकोप दिखाई दे रहा है। काजू के तनो एवं जड़ भेदक से प्रकोपित पौधे जो सूख गए है उसे पूरी तरह से हटा देवें तथा अन्य प्रकोपित पौधों में चारकोल तथा मिट्टी तेल (केरोसिन तेल) का 1:2 में मिलाकर या क्लोरपाईरीफॉस 0.2 प्रतिशत की दर से जमीन के 1 मीटर की ऊँचाई तक लगावें। नये रोपित पौधों में नमी संचयन हेतु गुड़ाई एवं पलवार आदि कार्य करें। काजू में चाय मख्खी मत्कुण का प्रकोप दिखाई दे रहा हो तो कोर्बोरिल की 2 ग्राम / लीटर की दर से छिड़काव करें।
सब्जी	बैंगन, टमाटर, मिर्च समय पर निराई गुड़ाई करते रहे। सभी सब्जियों में संतुलित मात्रा में सिंचाई की व्यवस्था करें। मिर्च की फसल में पत्ती कुंचन रोग से बचाने के लिए मेटासिस्टॉक्स या रोगोर कीटनाशॅक का छिड़काव करें। लहसुन में गुड़ाई करें। आलू की फसल यदि परिपक्व हो रहे हो उस अवस्था में सिंचाई करना बंद कर दे। कद्दूवर्गीय फसल (जैसे लौकी, करेला, तरबुज, खरबूज, टिण्डा इत्यादि) हेतु खेत की तैयारी कर बोवाई करें। बसंतकालीन भिण्डी फसल की बोवाई प्रारम्भ करें जिसके लिये बीजदार 18–20 किग्रा. / है. तथा उन्नत किस्में अर्का अनामिका, वर्षा उपहार एवं परभनी क्रान्ती है। ठण्ड के मौसम में लगने वाली हरी पत्तीदार सब्जियॉ जैसे पालक, चौलाई, मेथी एवं बथूआ लगावें जिन्हें 30–40 दिनों में निकालकर उपयोग कर सकते है। बैंगन एवं टमाटर में जींवाणु मलानी रोग दिखने की स्थिति में संक्रमित पौधों का`तुरंत उखाड़ कर फेंक देवें एवं सिंचाई नियंत्रित करें। स्ट्रेक्टोसाइक्लीन + बाविस्टीन का घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल में जड़ के समीप डालें। बैंगन के पौधों में भेदक कीट देखने को मिल रहा है। इसके नियंत्रण हेतु एंडोसल्फान 35 ई0सी0 का 2 मिली. / लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। बरबट्टी के पौधों पर माहो कीट देखने को मिल रहा है। इसके नियंत्रण हेतु रोगोर 1 मिली. / लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।

11 से 15 जनवरी 2014 तक मौसम पुर्वानुमान बस्तर

मौसम कारक	पुर्वानुमान				
	दिवस –1 11 जनवरी	दिवस –2 12 जनवरी	दिवस –3 13 जनवरी	दिवस –4 14 जनवरी	दिवस –5 15 जनवरी
वर्षा मि.मी.	2	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	28	28	28	28	29
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	14	14	14	12	11
कुल बादल की मात्रा (प्रतिशत)	25	12	12	25	12
सापेक्ष आर्द्रता (सुबह / शाम)	89/50	85/50	80/50	76/50	81/50
वायु गति कि. मी. / घण्टा एवं दिशा	5/S	5/SW	5/ NE	3/ **NE**	2/S

प्रयोजक –भूमि विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली, सहयोग–अखिल भारतीय समन्वित बारानी खेती परियोजना, हैदराबाद

अधिष्ठाता